## खेल निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादन।

संख्या 536 / ब.पजा. / 2009-10 / दे दून / दिनाक 10.5 जून, 2009

- ा. सहायक निदेशक खेल, हल्हानी (नैनीताल)।
- जिला क्रीडा अधिकारी, देडरादुन/विधीरागड/उचनसिंह नगर/गांपेश्वर (चमोली)।

## विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 में वचतबद्ध एवं अवचनबद्ध गदों में बजट आवंटन के सम्बन्ध में।

चालू वितीय वर्ष 2009—10 में अनुदान संख्या 31—आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्षक 2204—खेलकूद तथा युटा संवाए—00—796—जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के अन्तर्गत निम्न वितरणानुसार यजट आवटित किया जाता है—

## (घनराशि स. में)

| 44 | आहरण-वितरण अधिकारी/<br>जनपद का नाम     | 02-इतिकेमिताओं का जायोजन<br>20-सहायक<br>अनुदान/अझंदान/शंज सहायता | 03-प्रशिक्षण शिविरों का<br>कार्योजन<br>20-सहायक<br>अनुदान/अशदान/राज<br>सहायहा | र्याग  |
|----|--|--|---|--------|
| 1  | 2                                      | 3  | 4   | -5     |
| 1  | सहायक निदेशक खेल, हल्हानी<br>(नैनीताल) | 53000  | 46000   | 99000  |
| 2  | जिला क्रीडा अधिकारी, देहरादून।         | 53000  | 46000   | 99000  |
| 3  | जिला क्रीडा अधिकारी, उधमसिंह<br>नगर    | 53000  | 46000   | 99000  |
| 4  | जिला कीड़ा अधिकारी, पिथांचगड           | 53000  | 46000   | 99000  |
| 5  | जिला कोडा अधिकारी, गोपावर<br>(चमोली)   | 55000  | 49000   | 104000 |
|    | योग                                    | 267000   | 233000  | 500000 |

(स. पाच लाख मात्र)

- 2. जन्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्टिक्ट की जाती है कि गितव्यथी मदों में आवंदित सीमा तक ही व्यथ सीमिट रखा जाय। पहा यह भी त्यन्ट किया जाता है कि धनराति का आवंदन किसी ऐसे व्यथ को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यथ करने के लिए बज़द मैन्द्रल या वितीय इन्त-पुनिवका/उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 200% के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की खीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यथ सम्बन्धित की खीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यथ सम्बन्धित की खीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
- 3 धनराशि उसी नद में व्यक्ष की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यथ में मितव्यवता के सम्बन्ध में समय—समय पर जारी किये गये शासनादेशों / नियमों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यव के विवरण खेल निदंशालय की नियमित रूप से भेज।
- सानग्रियों का क्रय तथा अन्य कार्य उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रक्योत्तरेन्ट) नियमावली, 2008 के प्राविधानानुसार किया जाय।
- धनराशि का किसी भी दशा में व्ययवर्तन नहीं किया जायेगा!

6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय कलू वित्तीय वर्ष 2009-2010 के अनुदान संख्या 31-आयोजनागत पक्ष के लेखाशीर्थक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवाए-00-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के अन्तर्गत तालिका में उल्लेखित सुरामृद्ध इकाईयों के नामें डाला जायंगा।

उक्त बराट को बजट कन्ट्रोल पंजिका विशीय वर्ष 2009-10 के पृष्ठ सख्या उष्ट्रपर अकित कर लिया गया है।

> क्रिक्स, नेगी) निदेशक खेल

## संख्या एवं तिथि तदैव।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेचित ।

- 1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादृन।
- 2. निजी सचिव, मा. खेल मत्री जी, उतराखण्ड।
- 3. सचिव खेल, उत्तराखण्ड शासन।
- 4. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- जिल्लिधकारी, नैनीताल देहरादून/पिथौरागढ/उद्यमसिंह नगर/धमोली।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, इस्त्रानी (नेनीताल) देहरादून/पिथीरागढ/उधगरिंह नगर/चमोली उत्तराखण्ड।
- 7 वित्त अनुभाग-3 उत्तरायण्ड शासन।
- **६** एन आई सी., सचिवालय, देहरादून।
  - 9. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय देहरादून।
  - 10. गार्ड फाईल।

(आर.कं. चतुर्वेदी) अपर निदेशक खेल

